सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी (केन्द्रिक) सेट-3
(बाहरी दिल्ली) 2016

निर्देश:

- इस प्रश्न पत्र में **14** प्रश्न हैं।
- **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
- विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें।

खण्ड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (15)

संवाद में दोनों पक्ष बोलें यह आवश्यक नहीं। प्रायः एक व्यक्ति की संवाद में मौन भागीदारी अधिक लाभकर होती है। यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है। मन से हारे दुखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में नहीं अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है।
बोलने वाले के हावभाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक-सामाजिक पृष्ठभूमि को पल भर में बता देते हैं। संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण भी बनता है। बात करने से बड़े-बड़े मसले, अंतर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं। पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है एक-दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, संपूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ। श्रोता उन्हें कान से सुनें और मन से अनुभव करें तभी उनका लाभ है, तभी समस्याएँ सुलझने की संभावना बढ़ती है और कम-से-कम यह समझ में आता है कि अगले के मन की परतों के भीतर है क्या?
सच तो यह है कि सुनना एक कौशल है जिसमें हम प्रायः अकुशल होते हैं। दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुझाने के लिए हम उतावले होते हैं और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता। हम तो बस अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं। तब दूसरे पक्ष को झुंझलाहट होती है। वह सोचता है व्यर्थ ही इसके सामने मुँह खोला। रहीम ने ठीक ही कहा था - "सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँट न लैहैं कोय।" ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल मंत्र है।
लोग तो पेड़-पौधों से, नदी-पर्वतों से, पशु-पक्षियों तक से संवाद करते हैं। राम ने इन सबसे पूछा था - 'क्या आपने सीता को देखा?' और उन्हें एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी। इसलिए संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

(ख) 'संवादहीनता' से क्या तात्पर्य है? यह स्थिति मौन भागीदारी से कैसे भिन्न है? (2)

(ग) भाव स्पष्ट कीजिए – "यह उतावलापन हमें संवाद की आत्मा तक नहीं पहुँचने देता।" (2)

(घ) दुखी व्यक्ति से संवाद में दूसरा पक्ष कब अधिक लाभकर होता है? क्यों? (2)

(ङ) सुनना कौशल की कुछ विशेषताएँ लिखिए। (2)

(च) हम संवाद की आत्मा तक प्रायः क्यों नहीं पहुँच पाते? (2)

(छ) रहीम के कथन का आशय समझाइए। (2)

(ज) राम का उदाहरण क्यों दिया गया है? (2)

उत्तर- (क)

- संवाद का महत्व।
- संवाद की अनन्त संभावना।
- संवाद - सफलता का मूल मंत्र।
- संवाद कौशल।
  (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)

(ख)

- परस्पर बोलचाल न होना/वार्तालाप का अभाव।
- मौन भागीदार संवाद में चुपचाप शामिल होता है, संवाद को चुप रह कर सुनता है लेकिन संवादहीनता में संवाद स्थापित ही नहीं हो पाता।

(ग)

- संवाद की आत्मा - संवाद का मूल मंत्र या उद्देश्य।
- बात को धैर्य पूर्वक सुने बिना, समझे बिना बोलने की उतावली/शीघ्रता संवाद की गंभीरता को नष्ट कर देती है।

(घ)

- अच्छे श्रोता के रूप में।
- वक्ता का मन हल्का होता है।
- आत्मीयता प्रकट होती है।
  (कोई दो बिंदु अपेक्षित।)

(ङ)

- धैर्यवान होना।
- मन से जुड़ना।
- दूसरों के अनुभवों का लाभ मिलना।

- आत्मीयता।
  (कोई दो बिंदु अपेक्षित।)

(च)

- अधीरता।
- बीच में बात काटना।
- समाधान सुझाने का उतावलापन।
- सजगता का अभाव।
  (कोई दो बिंदु अपेक्षित।)

(छ)

- दुख-दर्द को सार्वजनिक करने का लाभ नहीं होता।
- दूसरे की समस्या सुन कर लोग हँसते हैं।
- दूसरे की परेशानी सुन कर मजाक बनाते हैं, उसे कम नहीं करते।
  (कोई दो बिंदु अपेक्षित।)

(ज)

- संवाद की अनन्त संभावनाओं को समझाने के लिए।
- प्रकृति एवं पशु-पक्षियों से भी संवाद संभव।

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (1×5=5)

सूख गई है। झील रसवंती

मिट्टी ही बची है नरम, साँवली, सहस्त्रों दुख-दरारवाली

अब वे दिन याद आते हैं

इस किनारे से उस किनारे तक अछोर पानी और हवा

पुराने महलों से बातें करता, ढलता

पश्चिम का वर्षा सूर्य

झील तट के कंकाल पेड़ों पर

पछतावा करती बैठी होंगी चिड़ियाँ

स्त्रियाँ खिन्नमन घाटों से लौट रही होंगी।

आगे देखने वाले भद्रजन झील की मिट्टी बेचने आएँगे

आएँगे उनके देशी-विदेशी परिजन

शोकाकुल झील-तट वासियों को धीरज देने।

सुना है यहाँ गांधी की प्रार्थना सभा होगी

आएँगी सुब्बालक्ष्मी मीरा का पद गाने-

'हरि तुम हरो जन की पीर।'

(क) रसवंती कौन है? क्यों सूख गई है?

(ख) पहले उसका सौंदर्य कैसा रहा होगा?

(ग) पेड़ों को 'कंकाल' क्यों कहा? चिड़ियों को क्या पछतावा है?

(घ) भद्रजन कौन हैं? वे सूखी झील से भी कैसे लाभ कमा लेते हैं?

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए: "स्त्रियाँ खिन्नमन घाटों से लौट रही होंगी।"

उत्तर- (क)

- झील।
- जल के अभाव में।

(ख)

- जल से भरी।
- हरे-भरे, पेड़-पौधों वाले घाटों वाली।
- पक्षियों के कलरव से गुंजित।
- स्त्री पुरुषों के आवागमन से गुलजार।
  (कोई दो बिंदु अपेक्षित।)

(ग)

- पानी के अभाव में सूखे पेड़-पौधों के कारण।
- हरे-भरे पेड़-पौधे न दिख पाने का।

(घ)

- शहरी-नागरिक व्यापारी।
- मिट्टी आदि संसाधनों को बेच कर धनार्जन।

(ङ) जल के अभाव में जलाधारित दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति न हो पाने के कारण।

खण्ड-‘ख’

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए: (5)

(क) पुस्तकों का महत्त्व

(ख) प्रदूषण के दुष्परिणाम

(ग) हमें चाहिए अच्छे शिक्षक

(घ) हिन्दी भारत की पहचान

उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित:

- प्रस्तावना/भूमिका और उपसंहार
- विषय-वस्तु
  (किन्हीं तीन बिंदुओं का विवेचन)
- भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति

4. कुछ टी.वी. चैनल वैज्ञानिक चिंतन या तर्क के स्थान पर अंधविश्वास फैलाने वाले कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। इनके दुष्प्रभावों की चर्चा करते हुए किसी समाचार पत्र को पत्र लिखकर इस प्रवृत्ति को रोकने का अनुरोध कीजिए। (5)

उत्तर- पत्र-लेखन:

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ
- प्रभावी विषय-वस्तु
- भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेख

अथवा

आप किसी पर्यटक स्थल पर भ्रमण के लिए गए किंतु वहाँ की अस्वच्छता देखकर खिन्न हुए। इस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उक्त स्थल के पर्यटन अधिकारी को एक पत्र लिखिए और सुधार का अनुरोध कीजिए।

उत्तर- पत्र-लेखन:

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ
- प्रभावी विषय-वस्तु
- भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेख

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए: (1×5=5)

(क) इलैक्ट्रौनिक माध्यम की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ख) संपादक के दो दायित्वों का उल्लेख कीजिए।

(ग) संपादकीय का महत्व समझाइए।

(घ) रेडियो माध्यम की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ क्यों कहा जाता है?

उत्तर- (क)

- यथास्थिति का वर्णन।
- लाईव टेलीकास्ट की सुविधा।
- तुरन्त एवं रोचक प्रस्तुति।
- सभी को सुलभता।
  (कोई दो बिन्दु अपेक्षित।)

(ख)

- संपादकीय लेखन।
- समाचारों का संपादन।

(ग) समसामयिक घटनाओं के विश्लेषण द्वारा जन-चेतना लाना।

(घ)

- त्रुटि रहित शुद्ध भाषा।
- सरल और स्पष्ट भाषा का प्रयोग।

(ङ)

- अन्य तीन स्तंभों पर नज़र।
- जन सामान्य को जागरूक करना।

6. 'चुनाव प्रचार का एक दिन' अथवा ' भीड़ भरी बस के अनुभव' विषय पर एक फीचर का आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- किसी एक फीचर का लेखन-

- प्रभावी विषय - वस्तु
- प्रस्तुति
- भाषा की शुद्धता

7. 'अंग्रेज़ी माध्यम से शिक्षा' अथवा 'दलितों पर अत्याचार' विषय पर एक आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- किसी एक आलेख का लेखन-

- प्रभावी विषय - वस्तु
- प्रस्तुति
- भाषा की शुद्धता

खण्ड-'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

तुम्हें भूल जाने की

दक्षिणधृवी अंधकार-अमावस्या

शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पालू मैं

झेलू मैं, उसी में नहा लें मैं

इसलिए कि तुम से ही परिवेष्टित आच्छादित

रहने का रमणीय उजेला अब

सहा नहीं जाता है।

(क) कवि के व्यक्तिगत संदर्भ में किसे 'अमावस्या' कहा गया है?

(ख) 'अमावस्या' के लिए प्रयुक्त विशेषणों का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'रमणीय उजेला' क्या है और कवि उसके स्थान पर अंधकार क्यों चाह रहा है?

(घ) 'तुम से ही परिवेष्टित आच्छादित' - यहाँ 'तुम' कौन है? आप ऐसा क्यों मानते हैं?

उत्तर- (क) अपने प्रिय पात्र (तुम्हें) को भूल जाना।

(ख)

- दक्षिण ध्रुवी, दीर्घकालीन अंधकार।
- जिस प्रकार दक्षिण ध्रुव पर उजाला नहीं होता, वैसे ही कवि के हृदय में प्रिये के भूलने पर अंधकार।

(ग)

- प्रिय पात्र का प्रेम और सामीप्य।
- यह अति निकटता, प्यार का संबंध निरन्तर होने से वह ऊब गया है, उससे मुक्ति चाहता है।
- प्रिया से वियुक्त हो कर ही कर्म पथ पर अग्रसर होने की आकांक्षा।

(घ)

- 'तुम' कवि की प्रिया/प्रेरणा पात्र है।
- कविता में प्रेम पात्र से कवि की निकटता।
  (प्रेम आदि का उल्लेख होने से अन्य उत्तर भी संभव।)

अथवा

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था

ज़ोर ज़बरदस्ती से बात की चूड़ी भर गई

और वह भाषा में बेकार घूमने लगी!

हारकर मैंने उसे कील की तरह

उसी जगह ठोंक दिया।

ऊपर से ठीकठाक

पर अंदर से

न तो उसमें कसाव था

न ताकत !

(क) बात की चूड़ी मरने का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'बात को कील की तरह ठोंकना' क्या है? ऐसा क्यों किया जाता है?

(ग) टिप्पणी कीजिए कि बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं।

(घ) भाषा में कसाव न हो तो क्या परिणाम होगा?

उत्तर- (क)

- बात का निरर्थक होना/प्रभावहीन होना।
- मूल भाव एवं सौंदर्य नष्ट होना।

(ख)

- अप्रासंगिक, अनुपयुक्त बात बार-बार करते रहना।
- प्रशंसा और वाहवाही पाने के लिए।

(ग)

- बात की अभिव्यक्ति का माध्यम भाषा।
- भाषा प्रस्तुति में स्पष्टता, सरलता एवं अर्थवत्ता आवश्यक।

(घ)

- प्रभावहीन हो जाएगी।
- अर्थहीन हो जाएगी।

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×3=6)

प्रभु प्रलाप सुनि कान, बिकल भए बानर निकर।

आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ बीर रस।।

(क) काव्यांश के छंद का नाम और भाषा की एक विशेषता लिखिए।

(ख) वानरों की व्याकुलता का कारण स्पष्ट कीजिए।

(ग) दूसरी पंक्ति में निहित अलंकार का नाम लिखकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क)

- छंद - सोरठा
- अवधी लोक भाषा होने के कारण सुबोधता।
- अलंकारिकता।
  (भाषा की कोई एक विशेषता)

(ख)

- लक्ष्मण की मूर्च्छा।
- श्री राम का करुण विलाप।
- हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी लाने में देरी होना।

(ग)

- उत्प्रेक्षा अलंकार।
- करुण रस में वीर रस की उपस्थिति।
- सुन्दर कल्पना।

अथवा

कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,

तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।

हौलेहौले जाती मुझे बाँध निज माया से।

उसे कोई तनिक रोक रक्खो।

(क) मानवीकरण के सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ग) काव्यांश का बिंब-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क)

- साँझ तेजस्विनी श्वेत-नारी रूप में प्रस्तुत।
- कजरारे बादलों का प्रतिबिम्ब मानवीय प्रतिच्छायाओं का प्रतिबिम्ब।

(ख)

- कजरारे, साँझ, हौले-हौले जैसे सरल सुबोध शब्दों का प्रयोग।
- प्रवाहपूर्ण खड़ी बोली।
- प्रतीकात्मकता।
  (कोई अन्य उपयुक्त उत्तर भी अपेक्षित।)

(ग)

- आकाश में काले बादलों का छाया बिंब -दृश्य बिंब।
- तैरती साँझ का सौन्दर्य - दृश्य बिंब।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3+3=6)

(क) 'कवितावली' के आधार पर पुष्टि कीजिए कि तुलसी को अपने समय की आर्थिक-सामाजिक समस्याओं की जानकारी थी।

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए - "मैं और, और जग और, कहाँ का नाता!"

(ग) 'शमशेर की कविता गाँव की सुबह का जीवंत चित्रण है।' पुष्टि कीजिए।

उत्तर- (क)

- तुलसीदास ने अपने युग की विषमताओं, गरीबी, बेरोजगारी इत्यादि का वर्णन किया है।
- किसान, भिक्षुक, नौकर-चाकर, भाट, नट चोर इत्यादि सभी जीविका विहीन।
- दरिद्रता और बेरोजगारी के कारण समाज में अशांति। पेट की आग बुझाने के लिए लोग अपने बच्चों को बेचने पर मजबूर।

(ख)

- पहले 'और' में कवि स्वयं को आम व्यक्ति से भिन्न बताता है।
- दूसरे 'और' द्वारा वह अपना और विश्व का संबंध प्रतिपादित करता है।
- तीसरे 'और' द्वारा कवि अपने स्वभाव से शेष संसार के स्वभाव की भिन्नता प्रकट करता है।

(ग)

- राख से लीपा हुआ गीला चौका, काली सिल पर बिखरा लाल केसर।
- नीला जल, गोरी युवती की मखमली देह आदि उपमाओं द्वारा गाँव के सूर्योदय के सौंदर्य का जीवंत चित्रण।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

भक्तिन और मेरे बीच सेवक-स्वामी संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता जो इच्छा होने पर भी

सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया जो स्वामी से चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलनेवाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

(क) भक्तिन और लेखिका के पारस्परिक संबंधों को सेवक-स्वामी संबंध क्यों नहीं कहा जा सकता?

(ख) प्रकाश-अंधकार का उदाहरण क्यों दिया गया है? भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) गद्यांश के आधार पर महादेवी और भक्तिन के स्वभाव की एक-एक विशेषता सोदाहरण लिखिए।

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए - "भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे व्यक्तित्व को घेरे हुए है।"

उत्तर- (क) महादेवी चाह कर भी उसे नहीं निकाल पातीं, और निकाले जाने का आदेश पा कर भी भक्तिन नहीं जाती थी। दोनों के बीच भावनात्मक संबंध।

(ख)

- प्रकाश और अंधकार जीवन का अभिन्न अंग।
- प्रकाश अंधकार का संबंध स्वाभाविक है इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं।
- भक्तिन और महादेवी भी एक दूसरे के बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर पातीं।

(ग)

- भक्तिन तर्कपटु है। प्रत्येक कार्य का औचित्य ठहरा देती है।
- महादेवी जी अत्यंत उदार, मानवतावादी और सहिष्णु थीं।

(घ)

- प्रकाश अंधकार या गुलाब आम का सा भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व।
- उसका व्यक्तित्व अपने वास्तविक रूप में महादेवी जी के जीवन को घेरे हुए।

अथवा

जब सफ़िया की बात खत्म हो गई तब उन्होंने पुड़िया को दोनों हाथों में उठाया, अच्छी तरह लपेटा और खुद सफ़िया के बैग में रख दिया। बैग सफ़िया को देते हुए बोले, "मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।" वह चलने लगी तो वे खड़े हो गए और कहने लगे, "जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा और उन खातून को यह नमक देते वक्त मेरी तरफ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा, तो बाकी सब रफ्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा।"

(क) पुड़िया में ऐसा क्या था जो कहानी बन गया? संक्षेप में समझाइए।

(ख) आशय समझाइए - 'जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा।'

(ग) 'बाकी सब रफ़्ता - रफ्ता ठीक हो जाएगा' - पक्ष या विपक्ष में दो तर्क दीजिए।

(घ) नमक का लाना-ले जाना प्रतिबंधित होते हुए भी कस्टम अधिकारी ने अनुमति क्यों दे दी? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

उत्तर- (क)

- सफिया द्वारा सिख बीबी से लाहौरी नमक लाने का वायदा।
- लाहौर से नमक लाने या न लाने का द्वंद्व।
- कस्टम अफसर द्वारा प्रेम और सम्मानपूर्वक नमक ले जाने की अनुमति।
  (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

(ख)

- विभाजन के पश्चात भी जन्मभूमि से प्रत्येक व्यक्ति को लगाव होता है।
- कस्टम अफसर चाहे पाकिस्तान में रहने लगे। नौकरी करने लगे किंतु दिल से वह
- आज भी अपना वतन देहली को ही मानते हैं।
  (किन्हीं दो का विवेचन अपेक्षित)

(ग) समय बीतने के साथ सब घाव या बुरी स्मृतियाँ धीरे-धीरे समाप्त हो जाती हैं-
पक्ष-

- हाँ, वक्त के साथ-साथ भारत-पाकिस्तान की कटु स्मृतियाँ समाप्त हो जाएगी।
- व्यक्ति परिस्थितियों से समझौता करके जीवन की नई शुरुआत करता है और कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखता।
  (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य।)

विपक्ष-

- बेशक समय बीत जाता है लेकिन मन के घाव, चोटें, विस्थापन आदि का दर्द या किसी भी प्रकार के नुकसान की क्षति पूर्ति संभव नहीं होती।
- समय के साथ-साथ कटुता, दर्द आदि भी बढ़ते जाते हैं और मौका पा कर आतंक, दंगों या किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों के रूप में उभर जाते हैं।
  (पक्ष या विपक्ष में दो तर्क अपेक्षित)

(घ)

- लेखिका की बात सुन कर कस्टम अधिकारी भावुक हो उठा।
- उसके हृदय में देश प्रेम जाग उठा।
- भावनाओं के समक्ष राजनीतिक निर्णय कमज़ोर पड़ जाते हैं।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3×4=12)

(क) पुत्र की चाह में परिवार के लोग ही कन्या को जन्म देने वाली माँ के दुश्मन हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति पर 'भक्तिन' पाठ के आधार पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) डॉ. आंबेडकर के आदर्श समाज की कल्पना में 'भ्रातृता' का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

(ग) "सर्वग्रासी काल की मार से बचते हुए वही दीर्घ जीवी हो सकता है जिसने अपने व्यवहार में जड़ता के स्थान पर निरंतर गतिशीलता बनाए रखी है" - 'शिरीष के फूल' के आधार पर प्रतिपादित कीजिए।

(घ) 'नमक' कहानी में भारत-पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच प्यार का नमक घुला है" टिप्पणी कीजिए।

(ङ) 'निर्धन, साधनहीन और महामारीग्रस्त गाँव में पहलवान की ढोलक मरने वालों को हौसला-हिम्मत देती थी'-इस कथन के आलोक में गाँव की बेबसी का चित्रण कीजिए।

उत्तर- (क)

- कन्या जननी की उपेक्षा और तिरस्कार, पुत्रवती माता अपना अधिकार समझती है।
- भक्तिन ने एक के बाद एक तीन पुत्रियों को जन्म दिया।
- अतः सास और जेठानियाँ मुँह बिचका कर उसकी उपेक्षा करती हैं।
  (अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य।)

(ख)

- आदर्श समाज में स्वतंत्रता और समता होनी चाहिए। यही भ्रातृता है।
- समाज में सबको सम भाग प्राप्त हो।
- किसी भी वांछित परिवर्तन का लाभ सभी को तुरंत मिलना चाहिए।
- सभी को सामाजिक संघर्ष के साधन और अवसर सुलभ होने चाहिए।
- भ्रातृता दूध-पानी के मिश्रण जैसी होनी चाहिए।
- सभी लोगों में एक दूसरे के प्रति श्रद्धा, प्रेम और सम्मान का भाव होना चाहिए।
- भ्रातृता द्वारा हर 'लोकतंत्र' की अवधारणा पूर्ण होगी।
- सही अर्थों में लोकतंत्र की साधना भ्रातृता के पश्चात ही संभव।
  (कोई तीन बिंदु अपेक्षित।)

(ग)

- विपरीत परिस्थितियों में जो संघर्ष करता है, जीवन रस से परिपूर्ण होता है, हर स्थिति में जड़ता का, मायूसी का परित्याग करता है वही गतिशील होता है।
- भौतिक मोह-माया से अनासक्त असंपृक्त रह कर जो जीवन-पथ पर अग्रसर होता हैं, वे कभी जड़ नहीं हो सकते, निरंतर प्रगतिशील ही होंगे, उर्ध्वमुखी होंगे।
- मस्त, फक्कड़ और सरस शिरीष एवं गांधी जैसे लोग ही जड़ता का परित्याग कर गतिशील एवं जीवंत होते हैं।
(अन्य बिंदु भी संभव।)

(घ)

- एक ज़मीन, एक ज़बान, एक सी सूरतें और लिबास, एक सा अंदाज, गालियाँ भी एक सी होने के उपरांत भी भारत-पाक की जनता आरोपित भेदभावों को सहने के लिए विवश थी जबकि वास्तविकता यह थी कि मानचित्र पर बनावटी लकीर खींच देने से देश तो बँट गए किंतु भावनाएँ नहीं।
- जनता पर थोपा गया विभाजन आरोपित तथा कृत्रिम है। प्यार किसी भी प्रकार का बंधन स्वीकार नहीं करता।
- प्यार के सम्मुख कानून निष्प्रभावी होता है। भावनाएँ और प्यार राजीतिक निर्णयों को नकार देते हैं।
(कोई तीन बिंदु अपेक्षित।)

(ङ)

- महामारी फैल जाने पर उससे निपटने की व्यवस्था का अभाव।
- लोग मरने के लिए अभिशप्त। डॉक्टर, वैद्य, दवाओं आदि की कोई सहायता नहीं।
- ऐसे में एकमात्र सहारा पहलवान की ढोलक मरघटी सन्नाटे को तोड़ कर मरते समय भी उनमें जीवन शक्ति का संचार करती है।

13. महिलाओं के अधिकारों और जीवनशैली के बारे में ऐन फ्रेंक के विचारों की समीक्षा जीवनमूल्यों के आधार पर कीजिए। (5)

उत्तर-

- बालक को जन्म देना या न देना महिलाओं का अधिकार।
- उनका सम्मान सैनिकों की भाँति होना चाहिए।
- उनके अधिकारों का हनन नहीं होना चाहिए।
- महिलाओं ने अपनी ही नादानी के कारण उपेक्षा, कष्ट एवं असम्मान को सहन किया है।
- शिक्षित समाज में स्त्रियों की स्थिति पुरुषों से अच्छी है।
- औरत ही मानव जाति की निरन्तरता बनाए रखती है।
- नारी त्याग एवं ममता की मूर्ति है।
- वह कर्मशील रह कर अपनी सन्तान के लिए सर्वस्व दाँव पर लगा देती है।

(किन्हीं पाँच बिंदुओं की समीक्षा।)

14. (क) यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। (5)

(ख) "यशोधर बाबू दो भिन्न कालखंडों में जी रहे हैं"- पक्ष या विपक्ष में सोदाहरण तर्क दीजिए। (5)

उत्तर- (क)

- सरल, सादगी पसन्द, सत्यवादी, सन्तुष्ट, ईमानदार।
- कर्मठ, समय के पाबन्द, कार्यालय के अन्य साथियों से अच्छे सम्बन्ध।
- परम्परावादी, पुराने जीवन-मूल्यों में विश्वास करने वाले, धार्मिक मनोवृत्ति वाले।
- आधुनिक जीवन-शैली एवं परिवेश में समायोजित नहीं हो पाते।
- आधुनिक चकाचौंध से अप्रभावित।

  (अन्य विचार बिंदु भी संभव।)

(ख) पक्ष-

- ग्रामीण एवं नगरीय परिवेश की तुलना करते समय बहुधा वे द्वंद्वात्मक मनःस्थिति के होते हैं।
- नए और पुराने के बीच संतुलन नहीं बिठा पाने का संघर्ष।
- उनके संस्कार और आदर्श वर्तमान शैली से मेल नहीं खाते।

विपक्ष-

- वे सिद्धांतवादी थे। सारा जीवन उन्हीं पर चलते रहे।
- आधुनिक जीवन-शैली को अपने पर हावी नहीं होने देते।
- उन्होंने कभी झूठ नहीं बोला। समय के पाबंद रहें।
- वे सादगी पसंद थे और जीवन भर उसका पालन भी किया।
- पैसे को कभी महत्व नहीं दिया। ईमानदारी की कमाई से संतुष्ट रहे।